पंचम अध्याय

प्रारम्भिक, (प्रथम खण्ड)

Prarambhik Part-I

कत्थक नृत्य (KATHAK DANCE)

पूर्णांक: १०० शास्त्र- २५, क्रियात्मक-७५

शास्त्र (Theory) मौखिक

(१) **परिभाषा**- ताली खाली और आवर्तन।

(२) एकगुन (ठाह) और दुगुन लय का ज्ञान।

(३) ततकार के विषय में ज्ञान की संज्ञा।

क्रियात्मक (Practical)

(१) सिर और कन्धे का व्यायाम।

(२) छन्द में पद संचालन करने का अभ्यास।

(३) ताल-कहरवा और दादरा।

(४) त्रिताल में एकगुन व दुगुन की लय में तत्कार का प्रदर्शन।

(५) त्रिताल में दो सरल टुकडों का प्रदर्शन।

(६) कहरवा ताल में एक नृत्य।

(७) हाथ पर ताली-खाली दिखालाकर टुकडा बोलने का अभ्यास।

प्रारम्भिक, पूर्ण

Prarambhik Final

कत्थक नृत्य (KATHAK DANCE)

पूर्णांक: १०० शास्त्र- २५, क्रियात्मक-७५

शास्त्र (Theory) मौखिक

(१) सम, खाली, ताल एवं लय (ठाह, दुगुन और चौगुन का ज्ञान)।

(२) परिभाषा-लास्य और ताण्डव।

(३) सलामी और तत्कार के बोल बोलनें का अभ्यास।

क्रियात्मक (Practical)

(१) ग्रीवा संचालन।

(२) त्रिताल में दो भिन्न प्रकार की तत्कारों का प्रदर्शन।

(३) त्रिताल में पांच सरल टुकडों का प्रदर्शन।

(४) त्रिताल में आमद।

(५) कहरवा ताल में एक नृत्य।

टिप्पणी- पूर्व वर्ष का पाठ्यक्रम संयुक्त रहेगा।